



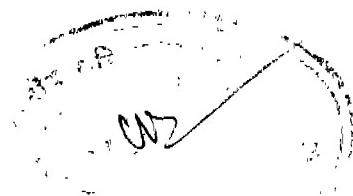
आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 136]

No. 136]

नई विल्ली, मंगलवार, जुलाई 9, 1991/आषाढ़ 18, 1913
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 9, 1991/ASADHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है ताकि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार विवरण)

सार्वजनिक सूचना सं. 174 आईटी सं. (पं.एन) / 90-93

सं. 9 जुलाई, 1991

विषय:—आयात की विवेची आधिक सहरोग निधि (ओई.एफ.)
द्वारा इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं)
के लिए विस्तारित 0.084 विलियन देव के लिए 27-3-
90 के देव क्रेडिट अंग सं. आई डी पी-69 के अन्तर्गत
उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग
माने।

फाइल में आई पी सं./23 (75)/90-93:—आयात का विवेची
आधिक सहरोग निधि (ओई.एफ.) द्वारा विस्तारित इंदिरा गांधी
नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं) के लिए विस्तारित 0.084
विलियन देव के 27-3-90 के देव क्रेडिट अंग सं. आई डी पी-69
के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात पर लागू होने वाली आई-
सेविंग गते जोड़व सार्वजनिक सूचना के परिणित में दी नहीं है, सूचनार्थ
श्रियुक्ति की जाती है।

झी. आर. मेहना,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 174-आर.टी सी
(पीएन) / 90-93, दिनांक 9 जुलाई, 1991 का परिणित।

आयात की विवेची आधिक सहरोग निधि (ओई.एफ.)
द्वारा इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं) के लिए
विस्तारित 0.084 विलियन देव के लिए 27-3-90 के देव क्रेडिट
अंग सं. आई डी पी-69 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात
के संबंध में लाइसेंसिंग गते।

दण्ड—1 सामान्य दण्ड

1 (1) इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं),
राजस्थान राज्य सरकार की आयात आवश्यकता के वित्तान के लिए
आयात की विवेची आधिक सहरोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा
प्रशंसन किये गये 0.084 विलियन देव का ज्ञान आयात और विकासयोग्य
देशों जिनमें भारत और श्री. ई. ली. डी. के सभी सदस्य देश शामिल
हैं, के लिए खुला है। नदनामार इण क्रेडिट के अधीन अधिग्राहक की
जाते वाली बस्तुएं और सेवाएं आयात और अनुबन्ध-1 की सूची में
उद्दीप्त गते देशों (भारत नहिं) में आयात की जा सकती है जो
कि उप दृष्टि के अन्तर्गत पात्र स्वीकृत देश होंगे।

1 (2) क्रेडिट के अधीन देश उन्हीं मध्ये और उसी मूल्य के
लिए साइर्फेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिवेशालय,

तकनीकी विकास/पूर्जीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दा गई है। इस ऐडिट के मध्येन जारी किए गए आयात लाइसेंस [का मूल्य 0.092 विलियन यैन (लागत बीमा भाड़ा) से प्रधिक नहीं होता चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूपये में मूल्य राजस्व विभाग (मीमाण्डुक) द्वारा अधिसूचित वित्तिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और युद्ध नियंत्रक आयात-नियात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक मूल्यना में, 78-प्राई दी सी (पी.एन.) / 74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के प्रतुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया आएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सी.माण्डुक प्राधिकारी द्वारा विवेशी मुद्रा के प्राधिकृत आयात लाइसेंस (सी.) में विनिर्दिष्ट मुद्रा वित्तिमय दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे दरलिया। लाइसेंस पर एक शीर्षक “जापानी यैन” छड़ग में, धा छी पी 69” होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में “एस/जी मी” कोड होगा। यह दृष्टिरा गाँधी नहर बोड, राजस्थान राज्य सरकार की आयात लाइसेंस भेजते समय मूल्य नियंत्रक, आयात-नियात के पत्र में भी दुहराया जाएगा जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पष्टांकित की जानी चाहिए।

1(3) आयात लाइसेंस केवल इंदिरा गाँधी नहर बोड के पक्ष में जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस ऐडिट के मध्येन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कल मूल्य 0.092 विलियन (लागत बीमा भाड़ा) यैन से प्रधिक नहीं होता चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयातक लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए बृद्धि की जा सकती है। आगे और बढ़ि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) ऐडिट के मध्येन वित्तान किए जाने वाले आयात लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा विधिवत सत्यापित आयात लाइसेंस से संबद्ध माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विवेशी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकारी के कमीशन के प्रति कोई भी सुनातन भारतीय अधिकारी को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रमाणित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यान निःशुल्क लागत-बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारत में भारतीय रूपये में देय होगा। “पक्के आदेशों” का प्रथम भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रम आदेशों में हैं जो विवेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित होने या भारतीय आयातक और विवेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित कर्य संविवाह हो। विवेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकारियों को दिए गए आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

1(9) भार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस रूपये का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेकों के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से भार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा-उल्लिखित पक्के आदेश

नार महीनों के भीतर बैठ कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो भार महीनों के भीतर आवेदन वर्षों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देता चाहिए। प्रादेश देने की अवधि में बृद्धि के लिए ऐसे आवैश्यकी पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पालता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए बृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि बृद्धि आयात लाइसेंस के पारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मध्यी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई विल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी बृद्धि के लिए प्रत्येक मामले को पालता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे, जिसको वे लाइसेंसधारी को देखिए करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी बृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत आयातकी और विभागीय पवारिकारी आयात लाइसेंस के प्रयोग किए गए भंगरण ठेकों को पूर्ण करने के संबंध में साझेन-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र की सुविधा और उल्लंघन रूपये जमा करने आविकी की स्वीकृति आविकी की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के भार महीने के भीतर मध्य भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर भुगतान भुगतानों की अवधि होनी चाहिए। उके में नेकट्र आधार पर अर्थात पोतलदान दस्तावेज प्रस्तुत करने पर भुगतान की अवधि होनी चाहिए। विवेशी मंभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की अण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए उके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

“साखवत की प्राप्ति के बाद ————— महीने परन्तु प्रधिक से अधिक ————— के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलदान के लिए प्राधिकीय तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-1992 के बाद की न हो।

पैरा-2 संभरक उके का नमस्तोता करते समय व्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) उके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत बीमा भाड़ा मूल्य यैन में (यैन का भिन्न हटा दिया जाए) प्रभिव्यक्त होना चाहिए और भारतीय प्रभिकार्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जोकि भारतीय रूपये में चुकाना चाहिए।

किसी भी परिमिति में संविवा मूल्य भारतीय रूपये में प्रभिव्यक्त होना में प्रभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रम आदेश और संभरक का पुष्टिकरण आदेश केवल प्रधिकारी में होना चाहिए।

2(2) अण की रकम वित्त प्रधिपति किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्रधिपति अण के अन्तर्गत अधिप्रधिपति के लिए मार्ग-दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित गम्भुरक घर्नों के गाय की जाएगी:—

(क) कम से कम 500 मिलियन यैन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्रधिपति के मामले में

(1) यदि पूर्व अहर्ता महिने अख्ली अन्तर्राष्ट्रीय निविका से भिन्न अधिप्रधिपति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्रधिपति की पढ़ति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार की नियेय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यकान रिपोर्ट महिने निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ. ई. सी. एफ. को भेजता और पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय

और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उत्तरीकृत आवेदन-पत्र के साथ-साथ दस्तावेज आदि औ. ई. सी. एफ. को भी उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ब) 500 मिलियन यैन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिकारित के मामले में ठेके के नियंत्रण के लिए औ. ई. सी. एफ. के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकताओं महीने नहीं हैं। ऐलेक्ट्रिक यदि औ. ई. सी. एफ. अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) प्रधार परामर्शदाता कर्मी का नियोजन किया जाए तो ऐसी कर्मी को निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी करती होंगी :—

- (1) विए गए अधिकारी योग्यताएँ के प्रारक पात्र स्वीकृत देशों के नागरिक होने चाहिए।
- (2) अधिकारी पूर्णांकित नियेषक शब्द स्वीकृत देशों के नागरिक होने चाहिए।
- (3) ऐसी कर्मी पात्र स्वीकृत देशों में नियमित तथा पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के संबंध में भी औ. ई. सी. एफ. का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा :—

- (1) शर्त
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त मूल्य
- (3) नियंत्रण पत्र
- (4) संक्षिप्त मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट।

(ङ) प्रत्येक ठेके के साथ परामर्शदाता की पात्रता के संबंध में परामर्शदाता के हस्ताक्षर तथा तारीख सहित निम्नलिखित घोषणा संलग्न की जाएगी :—

"मैं अधिकारी हस्ताक्षरी, एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि (कर्म का नाम) (संबंधित पात्र स्वीकृत देश का नाम) में नियमित और पंजीकृत है, और एक पात्र परामर्शदाती कर्मी है जिसके प्रतिशत (%) समर्पित योग्यताएँ के घारक (संबंधित पात्र स्वीकृत देशों का नाम) के राइटिक हैं और प्रतिशत (%) पूर्ण कारिगर नियेषक (संबंधित पात्र स्वीकृत देशों के नाम) के राइटिक हैं।"

(च) आयातक उपर्युक्त का (1) (2), ख और घ में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आधिक कार्य विभाग की दी प्रतिवेदी में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा औ. ई. सी. एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विवेणी संभरक की भूगतान, उनके नाम में वैक आफ इंडिया दोपियो द्वारा 1989-90 के लिए औ. ई. सी. एफ. यैन क्रेडिट (परियोजना) सहायता से संभव आई डी पी 69 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखमंड के भाष्यम से किया जाना चाहिए जिसका आधा दीवे खंड 7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए लेकिन कुछ विषेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है, जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी हीने की तिथि से तुरन्त आव वित मंवालय, आधिक कार्य विभाग (आपान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता—संभरक पात्र स्वीकृत देशों के राइटिक या पात्र स्वीकृत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैध अधिकारी होंगे जिसके पास पात्र स्वीकृत देशों में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रवान करने की उपयुक्त सुविधा हो और जो वहां आस्तव में अपना कार्य व्यापार चलाते हों।

2(6) प्रायात्र स्वीकृत देशों ने अनुमेय आयात—जिन बस्तुओं में प्रायात्र स्वीकृत देशों से वनी हुई सामग्री निहित है उसके लिए वित्तवान किया जा सकता है वशतें कि निम्नलिखित सूचि के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार प्राधार पर आयातित भाग के 50 प्रतिशत से कम हो :—

आयात लागत बीमा भाड़ा मूल्य+आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में एकसे फैक्टरी मूल्य अपनाया जायगा)

2(7) संविदा में घोषणा—प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता, संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

"मैं अधिकारी हस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पात्र स्वीकृत देश का नाम) में उत्पादित है।"

"मैं अधिकारी हस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जामकारी और विवाहास के अनुसार प्रायात्र स्वीकृत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूचि के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :

आयात लागत बीमा भाड़ा मूल्य+आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहाज एकसे फैक्टरी मूल्य लागू हो)

"मैं अधिकारी हस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) (पात्र स्वीकृत देश का नाम) में समायिट और पंजीकृत है और उसके पास (पात्र स्वीकृत देशों का नाम) में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रवान करने की उपयुक्त सुविधा है और मह वहां आस्तव में अपना कार्य व्यापार चलाती है।"

खण्ड 3—संभरण ठेकों में समायिष्ट की जाने वाली शर्तें।

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावदान विषेष रूप में समायिष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (भी ई सी एफ) के बीच इंविटर गार्डी नहर परियोजना (इजीनियरी सेवाएँ) के लिये यैन क्रेडिट संभाइट ई सी एफ इंडिया, दोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख वक्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ख) संभरकों को भूगतान, भारत सरकार और जापान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (भी ई सी एफ) के बीच इंविटर गार्डी नहर परियोजना (इजीनियरी सेवाएँ) के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, दोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख वक्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी मूल्यांक और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होंगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और इसी और और औ. ई. सी. एफ. द्वारा यैन आज व्यवस्थाओं के अधीन प्रयोगित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतिवेदी में)।

(ङ) पर्यात संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक घाय होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास

टोकियो के परामर्शी पर थोड़ा परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो की सामिल माल की मुद्रुरेंगी के कार्यक्रम से व्यवस्था कराएगा और पौतलवान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्ण भारतीय दूतावास की सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक ही, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को भी प्रथमक पौतलवान के पश्चात् अधिकार के बाद दूर से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो की ओर जानी चाहिए।

खण्ड 4 : ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के घोवेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों द्वारा विविवत हस्ताक्षरित ठेके को आर प्रतियों जो संभरक द्वारा लिखित में पृष्ठ भावेश के साथ हों या उसकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत और बैच आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और अनुबन्ध 2 में प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की दो प्रतियों आर्थिक कार्य विभाग को भेजना चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी मंजिला संगोदरियों पर भी लागू होंगे जिनके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित मंद्रालय (आपातक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ उके के निर्णय का नोटिस समीक्षा के लिए ओ.ई.सी.एफ. का भेजेगा। आयात लाइसेंस को फोटो कार्पां और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की एक एक प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस शीर ठेके का एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो और सी.ए.ए.एड.ए. के कार्यालय का भेजेगा।

खण्ड 5 : विदेशी संभरकों का भुगतान साक्षपत्र किया विधि

5(1) वित मंद्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और उके के दस्तावेज प्राप्त होने पर भुगतान लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक द्विया के टोकियो शाया का संबोधित संलग्न अनुबन्ध 3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा विभासे बैंक द्विया की टोकियो बैंक सर्वेंट विदेशी संभरक के नाम में संक्षात् अनुबन्ध 4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साक्षपत्र द्वोलेन। प्राधिकार पत्र की प्रतियों (ओ.ई.सी.एफ., भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और आर्थिक कार्य विभाग (जापान विभाग) वित मंद्रालय का पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो, अनुबन्ध 4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार दर्शवित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साक्षपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता देखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.एड.ए., से प्राधिकार पत्र के आधार पर साक्षपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविधा संशोधन या अधिकार के लिए आर्थिक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्रकार प्राधिकार पत्र/राष्ट्रपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पौतलवान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साक्षात् उल्लिखित दस्तावेज बैंक द्विया, टोकियो की प्रस्तुत करेगा। दस्तावेजों में उल्लिखित अनराशि की विदेशी संभरक की उसके बैंकों के माध्यम से रिहा किया करेगा और उसके बाद उसके अनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) सार्वजन द्वारा नेत्र करने के लिए बैंक द्वारा इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकिंग प्रभार, यदि कार्ड हो, तो वे आयातक विदेशी संभरकों द्वारा वहन किए जाएंगे थो.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर अनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह अनराशि थो.ई.सी.एफ. द्वारा स्वर्व.द्वा.प्रतिशतों में से चुकाई जाएगी।

ओ.आई.सी.एफ., या नहायता लेखा नियंत्रक, वित मंद्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को बचनबद्धता पत्र के बैंकों के तुल्य अनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी। थो.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियों सामिल करके) व्याज भी प्रतिलिपि दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिय विधि के तहत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाना है। प्रयतोंको द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से थो.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को अवायगी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक द्वांक इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए जिन सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक द्वांक इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ज्ञान की रकम के संवितरण के लिए क्रियाविधि अर्थ समझाऊते से संबंध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-3 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरवायित

6(1) बैंक द्वांक इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिणिष्ठ में संकेतिक अनुसार अप्यायतक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्रान्त पौतलवान वस्तावेज रिंजन होने से पहले, भारतीय रिंजन बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट संभरक को किए नए वेत भुगतान के समनुल्य रूपये पर व्याज प्रभार प्रयम 30 दिन के लिए 1.2 प्रतिशत प्रतिवर्ष और अधिक अवधि के लिए 1.8 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक द्वांक इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप से रुपया जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना 31-आई-टी सी (पी एन) 83, विनाक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ व्याज प्रभार भी सरकारी लेखा में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि व्याज वीनों दिनों के लिए अर्थात् जिस विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है भी उस करने सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता रहे हैं। देविंग तार्कजनिक सूचना सं. 103-आई-टी सी (पी एन) 76, विनाक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई-टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई-टी सी (पी एन) 74, विनाक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक की प्रत्यय से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक द्वांक इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पौतलवान वायिद वस्तावेजों की देंगी या विलम्ब से प्राप्ति को रुपये निक्षेप पर लगने वाले व्याज की आर्थिक या पूर्ण अनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए वेत भुगतान के समतुल्य रूपये की गणना के लिए अपनायी जाने वाली विनियमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियमय की वह मिलित दर होगी जो मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित का सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिंजन बैंक के मुख्य विनियम नियंत्रण परिवर्तों के माध्यम से व्यवस्था करने का कारण नहीं माना जाएगा।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन भावशयक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि ये न धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी है। आयातक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि दैव धनराशि ग्राने वैंकरों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। दैव धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। दैव मुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब से विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमांशुलक प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को दैव धनराशि को माल की सुपुर्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पक्क देना अन्दर कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात-नियर्ति को भी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस सेवा भीर्ष में उपर्युक्त रूपया निषेप किया जाएगा वह “के डिपाजिट्स एप्ल ऐड्यूनिस्ज़-8443-सिविल डिपाजिट्स, डिनाजिट्स फार परजेजिट्स एटसट्रा प्रब्राइड परजेज अप्पल एंड्रोइड्स/लोन एप्लिएट्स” डिपाजिट्स लोन फोम दि गवर्नर्मेंट आफ जापान ०.०८४ विनियम देन लेडिट सं. आई डी पी-६९ कार बोर्डिंग गोदी नहर प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग सर्विसिज) होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टैट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, विल्ली में आलान के ऊपर जाहिनी और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथा-निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मार्ग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह प्रतिश्चित धनराशि सेवा खातों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आयिक कार्य विभाग) द्वारा मार्गी जाए। आलान के विभिन्न कालान्तरों को भरते समय आयातकों को इस बात की सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन) / 21, विनांक 5-10-1971 के वैरा 2 में निर्धारित सूचना आलान के कालम “धन परेषण और प्राधिकारी यति कोई हो”) के पूर्ण घोरे” निरपवाक रूप से प्रस्तुत करने चाहिए—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पक्क की संलग्न और विनांक।
- (ख) ये न मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निषेप किए जाते हैं।
- (ग) विवेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी.ए.ए.एप्ल ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पक्क का सन्दर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए आलान आलान रूपया जमा करने का साक्ष देते हुए पैरीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एप्ल ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक यह निश्चित करना चाहिए कि रूपये का निषेप भारतीय बैंक टोकियो से धनराशि की सूचना और पराक्राम्य पोतलालान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाक रूप से किया गया है और यह कि उसके तात्काल बाद सी.ए.ए.एप्ल ए. वित्त मंत्रालय (आयिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निषेपों की धनराशि का पृष्ठोंका करना चाहिए और अनेकित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-7 विविध अवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक को पोतलालान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में सांख्यक खोलने के बाद मासिक रिपोर्ट संहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, अधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, बी विंग, 5वा, तल, जनपथ अवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों की विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना।

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव लाते हों।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के भीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वाया पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में “भुगतान की शर्तों” के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भारी अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ जाए होने वाले किसी भारतीय मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ ये न केहिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-६९ के अधीन सभी आमारों को विवेशी अधिक सहयोग निधि जापान (भ्रो. ई सी.एफ.) के साथ पूरी करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निवेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित को गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियर्ति (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पाल स्रोत देशों की सूची।
2. अनुबन्ध-2 प्राधिक पक्क जारी करने के लिए प्रभुरोध।
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकार पक्क का प्रपत्र।
4. अनुबन्ध-4 सांख्यक का प्रपत्र (आमारों के लिए साग)।
5. अनुबन्ध-5 सांख्यक का प्रपत्र (सेवामारों के लिए साग)।

संपादन-1

पाल स्रोत देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विवेशी आयिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहाय

मिथ

मोरक्को

तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला
बेनिन
बोत्सवाना
बर्बुडी
कैप बोडे द्वीप
मध्य अफ्रीका गणराज्य
चाड
कोमोरो अफ्रीका
फ़ार्गो, शाहमे का गणतंत्र
इबुटेरिल गिनी (1)
इथोपिया
जार्मनिया
याना
गिनी
आइसरी कोस्ट-केन्या
लेसोथो
लाइबेरिया
मालातासी गणतंत्र
माली
भार्टी
मारिटिनिया, मारिशस
भोजांग्का
सेंट हेलना और डेप (2)
साओ टोमों और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिलीज
सीयरे लिओन
सोमालिया
सूडान
स्वाझीलैण्ड
टंडो, अफसं और इस
टोगो
यूगान्डा
तंजानिया गणतंत्र संघ
झपर बोस्टा
जाहरे गणतंत्र
जामिया
अमरीका, उत्तरी और केन्द्रीय
बहामा
बरम्डा
वारकॉर्डोस
येसी
कोस रीकर
फ्लूटा
डामिक्निया गणतंत्र
एल सवाडोर
गुडालोप
ग्वाटेमाला
हेटी
होंडरस

(1) फरनाडो पी-ओ द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रदेश।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :—एकेनियन ट्रिस्टेट वा इतएक्से-सिवल्स, नाइटिनेगेल, गफ।

जमैका
मार्टे टनिका
नाईजेर
पुर्णाल गिनी
रियुनियन
रोडेशिया
शान्डा
भैमिस्को
नीदरलैण्ड एन्टीलीज
निकारागुआ
पनामा
सेंट पियरी और मिक्यूलोन
ट्रिनिडाड और टोबागो

(3) मुख्य द्वीप समूह, अन्धा बोताइरे, क्यूराकाओ, साहा मेष्ठ।

3. अमेरिका उत्तरी और मध्य

बेस्ट इन्डीज (शाका) एत. प्रवात.

(क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)

(ख) आश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

प्रजेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
फाकलैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस गिनी
गुयाना
पराग्वे
पीरू
सूरिनाम

5. मध्य पूर्वी एशिया

बहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरिया अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब
अमिरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जंबाबी गणतंत्र (4)

(1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डोमिनिका, वेनेज़ा, सेंट किट्स (सेंटकिस्टोफ़ो) नेविम-अंगुहाला, सेंट नुमिया और सेंट विंसेंट।

(2) येन आईलैण्ड मोलेस्तन, येमान युन और फाइकोल और विटिंग द्वीप समूह।

(3) यमन, युर्ब, कुजीराह, राल अन्धेमा, गारज़ाह और अमग्ल क्वाईशान।

(4) अदम और विभिन्न सलतनत और अमीरात सहित।

६. उत्तिज्ञ एग्जिया

प्रकरणानिकान
बंगला देश
गुटान
बमी
भारत
मालद्वीप
मालद्वीप
नेपाल
पाकिस्तान
श्री लंका

७. मुद्रण पूर्वी एग्जिया

बहुनी
हांग-कोंग
ख्मेर गणतान्त्र
लाओस
मकाथो
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
ताइवान
थाईलैण्ड
निमोर
वियतनाम गणतान्त्र
वियतनाम जनवादी गणतान्त्र

८. ओसिनिया

कुक टीप समूह
फिजी
गिल्टर्ट और इन्हाल टीप
फार्सिस पोलिनेशिया (५)
नार
न्यु केनेडीनिया
न्यू फ्रेशिस (ब्र और प्र.)
नियु
पैसापिक टीप समूह (नंयुक्त राज्य) (६)
पापुआ न्यू गिनी
मोलोन टीप समूह (ब्र.)
टोगा
बाबिन और कतूना
पिंचमी सामोआ

९. पूरोप

माइप्रस
जिङ्गाल्टर
र्षीग
भास्टा
स्पेन
तुर्की
यूगोस्लाविया

(क) २ ओ. पी. ई. सी. के सहयोगों देश

प्रलींगिया
बोलिविया
लोथियाई अरब गणतान्त्र
बोल
नाइजीरिया
ईम्बेडोर
वेन्जुएला
इरान
इराक
कुवैत
कतार
सऊदी अरब
मालू-भादी
इन्डोनेशिया

(ख) ओ. ई. सी. औ. देश

आस्ट्रेलिया
बेल्जियम
कनाडा
डेनमार्क
फ़िनलैण्ड
फ्रांस
फेडरल रिपब्लिक ग्राफ जर्मनी
ग्रीम
आइस लैण्ड
आयर लैण्ड
इटली
आपान
ल जर्मनी
नीदरलैण्ड
न्यूजीलैण्ड
नार्वे
पुर्तगाल
स्वेच्छ
स्वीडन
स्विटजरलैण्ड
टर्की
इंगलैण्ड
संयुक्त राज्य अमेरिका

उपायधिकार २

प्राधिकार पद जारी करने के लिए

धावेद्वन पद

संघर्षा

दिनांक

सेवा में

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा तियांवक,
वित्त भंत्रात्तय, आर्थिक कार्य विभाग,
दू. ओ. बैन विभिन्न, प्रथम संजिल,
पालियामेंट ब्लीट, नई दिल्ली-११०००१

विषय—जैन क्रेडिट सं. आई डी पी (१९४ के लिए परियोजना सहायता)
के प्रत्यार्पण —————— को —————— का भायात
महीय

ऊपर उल्लिखित यैन क्रेडिट सं. आई डी पी ——————
(परियोजना भायात) के घटीत —————— से ——————

(५) सोसाइटी आई. नैडेस समूह (ताहिनी सहित) का शामिल
करते हुए अस्कूल टीप समूह, ट्रामोट-ग्लिंग, युप और
मार्क्यूसे टीप समूह ।

० पैसिफिक टीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन टीप, मार्शन टीप समूह
और मैनिन टीप समूह (गामा को छाइकर) ।

आयात के संबंध में —————— (बैक का नाम) —————— वही होना चाहिए, जो नीचे (इ) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम साक्षपत्र खोलने के लिए विया गया है वे पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित और प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पत्र।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह सारी जिस तरफ देश है।
- (ग) अधिग्राहित के तरीके —————— क्या वह सीधे क्रम पर आधारित है या आपचारिक खुनी भूतराज्यीय विविध पर आधारित है या इस मामले में कारणों सहित वह निर्दिष्ट करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रथाक के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ.) माल का उद्गम देश।
- (ज) यदि कोई हो, तो पात्र से इतर श्रीम देशों से आयातित का प्रतिशत।
- (झ) संविदा का कुल जहाज पर्यान्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन) में।
- (ञ) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के भी करीबन की घन राशि (येन में)
- (ञ) वास्तविक जहाज पर्यान्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के माय की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशों के संभरक का नाम और पत्र।
- (ठ) वे भुगतान भर्ते और संभावित तिथियाँ जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगी।
- (ड) मुरुर्गी को पूर्ण करने की प्रत्याधित तिथि।
- (इ) बैक फ्रांक इंडिया, टीकियों को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निम्नालिखित हुए।
- (ঞ) रोलदान अनुदेश, बाह्याल्परण/पार्ट शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्विष्ट कीजिए।
- (ঞ) भारत में आयातक के बैक का नाम और पत्र।
- (ঘ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (सविदाएं) कर दी गई है और जागती प्राधिकारियों को अधिकृत कर दिया गया है। यदि हाँ जो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और विन मंकालय का वह सदर्शन जिसके अन्तर्गत ओ. ए. सी. एफ. को अधिकृत किया गया है।
- (ঞ) क्या साक्षपत्र के संचालन और रखरखाव के लिए बैक फ्रांक इंडिया, टीकियों को दै दें यदि उनके आयातक द्वारा या संघटकों द्वारा बदल किए जाने हैं।
- (ঞ) आयातक द्वारा वस्तवत्त्वः—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक ही किए गए भुगतान के सम्मुच्य रुद्धे को पूरा और सही जमा करने का वक्तव्य देते हैं। प्रत्येक निलेप माल (आयातित मालपत्री) की मुरुर्गी नेते से पूर्व सहतान ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंध वाल वा जक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी आवायगी करते ही

विदेशी राष्ट्रीयता की सेषांगों के लिए भुगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगी और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।”।

उपाधन्य—3

(प्राधिकार पत्र का प्रथ)

सं.

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
प्राधिक कार्य विभाग
नई इंडिया, दिनांक

सेवा में

बैक फ्रांक इंडिया,
टीकियों भारता,
टीकियों (जापान)।

निवेशः—ऐन कैरिट (परियोजना सहायता) द्वारा सं. आई और बी एस—के अधीन आयात साक्षपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करता।

प्रिय महोदय,

आपके बैक के साथ दिनांक— को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्यारे के प्रमुखर मैसेस— के नाम में —— ऐन घनराशि के लिए प्रपरिवर्तीय साक्षपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैक द्वारा खोले गए प्रत्येक साक्षपत्र की प्रति आयातक के बैक, ओ. ए. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टीकियों और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साक्षपत्र का शर्तों के अनुसार वर्तमान में संभरकों की भुगतान आपकी निवेश से किया जाएगा। आप ओर ई सी एफ को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरक को आवायगी करते समय आपके द्वारा —————— (आयातक के बैक के नाम व पता) मूल पोतलशान दस्तावेज (विनियम), अनिरिक्त पूर्ण वस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई आवायगी की नामें डालने की सूचना तत्काल आवायगी, यदि कोई की गई हो, सो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओर ई सी एफ द्वारा आपको उमकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको छुट्टे जाने योग्य बोज प्रभाव भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव आवेदित किया जाएगा तथा भारत में संभवित आयातक के बैक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैकों के अन्य बच्चे जिसमें साक्षपत्र खोलने, रखरखाव करने और साक्षात्तर्वां के संचालन और भीवा बंदेवी दस्तावेजों के संचालन में संभवित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैक के बच्चे भी विदेशी संभरक/आयातक को ही होने पड़ेंगे आर इसलिए, न्हो मरे ही संभरक/आयातक में प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओर ई सी एफ से नहीं किया जाएगा।

6. जैन ई आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उमकी प्रति पूर्त आयातक कर दी जाए, तो उमकी भुगतान निर्धारित गत में एस मंत्रालय को भेजे दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र दिनेशी संभरकों के नाम में मान्यपत्र खोलने के लिए है। साक्षपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र

के मद्देवे भवित्य में साखेपत्र का मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र -----तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस कगर से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करते वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर वीर्य गई संक्षेप का उल्लेख करें।

मवदीय,

(लेखा प्रधिकारी)

प्रथि निम्नलिखित को प्रेषितः—

1. आयातक -----को उसके पत्र सं. ----- दिनांक के -----के मन्त्रमें

उनसे अनुग्रह है कि बैंकरों में विनियम दस्तावेजों की डिनीवरी लेने से पूर्व निर्वाचित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा करने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण निक्षेप कक्ष डिनीवरी भी वीर्य ही मोमाशुल्क और पत्रन प्राधिकारियों में मूल पोतलालान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिनीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक में न करते पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउल्लिखित ग्रावश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

आयातक का बैंकर

2(1) यह आयात लाइसेंस सं.----- दिनांक ----- के मन्त्रमें में है यह प्राधिकार पत्र येत क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत आरी किया जाता है। लाइसेंस गारंटी और संबंधित मार्वजनिक सूचनाओं/प्रार्देशों को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्रवाई करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येत भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की अवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई छन-ग्राहि के बराबर रुपये की गणना भार्वजनिक सूचना सं. 113-प्राई टीसी (पी.एन.)/88-91, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही मार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर आरी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रबन्धित परिवर्तन की निर्धारण दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे प्रथिक प्रवर्धि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से अंतर्यामी को तिथि/बैंक आफ इंडिया को प्रति पूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समनुचय रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगठित करके उसे भी मार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राई टी सी (पी.एन.)/83, दिनांक 18-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना है। अब ज दोनों दिनों के लिए देव ही प्रथित वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाए है और भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपय, जम, कर, य, ज.त, है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह मुनिष्वित कर लेना चाहिए कि आयातक को मोमाशुल्क निक.सी के लिए अ.य.त दस्तावेजों का मूल नीट दिए जाने से पूर्व यह घनराशि जम, की जानी है।

3. वे धनर.शियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजार में जालान के बाहिनी और कोड सं. 5130000009 दराति हुए जम, करनी चाहिए। इस संबंध में उनक, व्य.न सार्वजनिक सूचन, सं. 184-प्राईटी सी (पी.एन.) 68, दिनांक 30-8-68 तथा 233 प्राईटी सी (पी.एन.)/68, दिनांक 24-10-68, 132 प्राईटी सी (पी.एन.)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74-प्राईटी सी (पी.एन.)/74 तथा 103-प्राईटी सी (पी.एन.)/76, दिनांक 12-10-1976 में विए गए प्रावधानों की ओर दिल.य, ज.त, है। इस लेखा शीर्य में रुपय, जम, करना है “के डिप.जिट्स एण्ड एडवासिंज-8443—मिलिल डिप.जिट्स—डिप.जिट्स फार परसेजिज एटसेट्रा आफोड अप्हर परसेजिज अप्हर क्रेडिट/लोन परसीमेंट लोन फोम द गवर्नरेंट अ, जापान... चिलियन येन क्रेडिट (परियोजन, सहायता) सं. आईडीपी... कार 19... है।

4. जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली य, स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-प्राईटी सी (पी.एन.)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में जालान को मूल रूप ने एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाम्बा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अप्रेशन पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा परीक्षा नियंत्रक, विस मंत्रालय, (प्रार्थिक कार्य विभाग), बीविंग, 5वा सल, अनपथ भवन, नई दिली।

5. जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी बुष्डो द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा अपोग्राम इस विभाग को भेजना चाहिए।

6. संभरक को भुगतान करने का तिथि और प्रोई सी एफ द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय अंतर्यामी सूचनों के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव डाले जिन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्धारित किए जाएंगे।

(7) संभरक को की जाने वाली प्रथेक अदायगी, मूल प्रत्येक चाहे वह वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारस्टी, कार्य निष्पादन गारंटी, पोन-परिवहन इत्यादि के लेनेदेन संबंधी मैट ही रुपों न हो को उपर्युक्त (2) और (3) पर कार्यवाही न की जाए तो आयातक को उन्हें रिलीज न किया जाए।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत विवरक के रूप में बैंक के कर्तव्यों प्रीर जिनेवारियों की भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए.डी. परिपत्रों में निर्धारित किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिपत्र सं. 22 के विशेष मन्त्रमें की ओर व्याप विलाया जाता है।

(9) इस पत्र की पावनी भेजी जाए और भावो पत्राचार में सन्दर्भ इत्यादि को दर्शाया जाए।

3. निवेदक, अण विभाग-2 विदेशी सहयोग निवि टाकेवासी गोडो बिनिझंग-4-1 ओहटेमासी-1, कोमे, चियोडा कू, टोकियो 100, जापान

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिली।

उपाधन-4

उपाधन-5

प्रपत्र श्रो.ई.सी.ए.ल.सी.-1

प्रपत्र श्रो.ई.सी.ए.ल.सी.-2

अपरिवर्तनीय साख्यपत्र

प्रारिवर्तनीय साख्यपत्र

(माल के लिए नाम)

(सेवाओं के लिए नाम)

दिनांक

दिनांक

सेवा में,

सेवा में

यह साख्यपत्र (कृष्ण) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए क्रण करार सं... दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

यह गोपनीय (कृष्ण और विदेशी

शार्थिक सहयोग निधि के बात हुए
दिनांक (संभरक का नाम और पता) के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

इस ग्रापको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए ग्रापके माइट ड्राइव्स डारा उल्लिखित रूप जिसकी कृष्ण धनराशि (येत से अधिक नहीं है) के लिए आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख्यपत्र सं... द्वारा दिया है।

इसने इसके साथ मंलगन भुगतान ग्राहकी के अनुसार अपेक्षित परियोजना के मंबंध में टेका मं... से गंवंधित दस्तावेज़ होने चाहिए। लेन-देन के लिए ड्राइव्स से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

मध्ये ड्रापट और दमादेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं..." के अन्तर्गत ड्रापट लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

इस एतदाश वक्तव्य देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी गती का अनुपालन करके सभी ड्रापट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों को दस्तावेजों पर विधिवत् स्वीकार किए जाएं।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतदाश वक्तव्य देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी गती का अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्रापट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों को दस्तावेजों पर सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएं।

जब तक अन्यथा स्वयं से उल्लेखन न किया जाए, यह क्रेडिट "यूनिकार्फ कस्टम एण्ड एंट्रीटम कार डाक्सेंटरी क्रेडिट" (1947 रिव्योजन) हाईट-मेशनल चैम्बर आर कामर्स, पब्लिकेशन मं. 290 के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश

1. उपर्युक्त क्रण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वक्तव्यद्वारा पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वक्तव्य देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राइव्स की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह वक्तव्य हुमें ड्रापट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक डारा को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खाते आपातक/संभरक के खाते से देय हैं।

(अधीक्षित)

आर्थिक बैंक द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

भवदीय,

आर्थिक बैंक द्वारा (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भू भुगतान प्रतिशूली

यह भुगतान प्रतिशूली हमारे साखेवत संबंध.....का एक अधिकार प्राप्त है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि..... येन
जो कुल संविदा मूल्य का..... प्रतिशत है।
प्रतिशत दस्तावेज़..... इताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने
की अंतिम तारीख़ :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि..... येन
जो कुल संविदा का मूल्य..... प्रतिशत है।
जिसका भुगतान निम्न प्रकार में किया जाना हैः—

देव धनराशि प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
पहली किस्त, येन

दूसरी किस्त, येन

प्रतिशत दस्तावेज़ : (कृष्ण अधिकार उम्मेदीन प्राधि-
कारी) डारा जारी किए गए
निष्पादन का विवरण की एक प्रति
जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक
मंदसं

सेवा में

.....
.....
.....
(संभरक का नाम और पता)
संकर्म—अद्य करार में..... के प्रत्यंगस.....
परियोजना से मंबद्धित..... के नाम के.....
येन के लिए..... बाट जारी किए.....
साखेवत की सं..... दिल्ली.....
(कृष्णी) का प्रतिनिधित्व करते हुए में गयोहस्ताक्षरी और.....
..... के बीच संविदा सं.....

दिनांक में निहित भुगतान की गर्ती के अनुसार
विदेशी आधिकारिक सम्मिलन निधि डारा येन की
धनराशि (..... येन मात्र) प्राप्त करने के लिए
..... को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन
विवरण जारी करता है।

(कृष्णी)

इटा (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विषेष ग्रन्तदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें गलमन पत्र में दर्शाया जाएगा।
भुगतान ज्ञाते

यह भुगतान ज्ञाते हुमारे साखेवत सं..... का
अधिकार प्राप्त है।

1. प्रारंभिक भुगतान धनराशि..... येन
कुल संविदा मूल्य का..... प्रतिशत है।
प्रतिशत दस्तावेज़ :
प्रतिशत भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)
धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का..... प्रतिशत है।
प्रतिशत दस्तावेज़ :
प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्देश भुगतान
धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का..... प्रतिशत है।
टिप्पणी : --यह मंलग्न शीट पात्र परिवहन दस्तावेजों के मद्देश पूर्ण भुगतान
के मामलों में प्रतिशत नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 174—ITC(PN)|90—93

New Delhi, the 9th July, 1991

Subject : Licensing conditions in respect of import
of equipment and services under the Yen
Credit Loan No. ID-P.69 dated 27-3-1990
for Yen 0.084 Billion for the Indira Gandhi
Nahar Project (Engg. Services) extended by
the Overseas Economic Cooperation Fund
(OECD) of Japan.

File No. IPC|23(75)|90—93.—The terms and
conditions governing the licensing conditions for
import of equipment and services under the Yen
Credit Loan No. ID-P.69 dated 27-3-1990 for Yen
0.084 Billion for the Indira Gandhi Nahar Project
(Engg. Services) extended by the Overseas Economic
Cooperation Fund (OECD) of Japan, are contained
in the Appendix to this Public Notice and are notified
for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and
Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 174—ITC(PN)|90—93,
DATED—9-7-1991.

Licensing conditions in respect of Import of
Equipment and Services under the Yen Credit Loan
No. ID.P. 69 Dated 27-3-90 for Yen 0.084 Billion
for the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services)
extended by the Overseas Economic Cooperation Fund
(OECD) of Japan.

Section I—General Conditions :

I. (i) The Yen Credit of Yen 0.084 billion extended
by the Overseas Economic Cooperation Fund of
Japan (OECD) for financing the import requirements
of the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services),
Rajasthan State Govt. is untied in favour of Japan,
developing countries (including India) and all member
countries of OECD. Accordingly the goods and

services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 0.092 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. IDP 69". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to Indira Gandhi Nahar Board, Rajasthan State Government copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I. (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Indira Gandhi Nahar Board.

I. (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 0.092 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I. (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I. (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers

and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealer; and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I. (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of"

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-92.

Section II—special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
 - Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the documents etc. will also be submitted to OECF for its reference to OECF for its review.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions :
- A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries ;
 - A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries ;
 - such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.
- (d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :
- Terms of Reference ;
 - Short List of Consultants ;
 - Letter of Invitation ;
 - Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.
- (e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :
- "I, the undersigned, hereby certify that, _____ (name of firm) has been incorporated and registered in _____ (name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm, _____ per cent (%) of the subscribed shares being held by nationals of _____ (name of the

Eligible Source Countries concerned) and _____ per cent (%) of the fulltime directors being nationals of _____ (name of the Eligible Source Countries concerned)".

- (f) The application|documents mentioned in (a)(i), (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P 69 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or jurisdical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100$$

Supplier's FOB Price

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

IMPORTED CIF Price + Import Duty × 100

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of Eligible Source Country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 15th Dec, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P 69 dated 27th March, 1990 Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services).
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P 69 dated 27-3-90 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier

supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV. (iii) The Ministry of Finance (Dept. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers Letter of Credit procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendments or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there-under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment changes on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment of OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India or by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importers as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalent of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and at rate of 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principle payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposit. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the

CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443-civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 0.084 Billion Yen credit No-ID-P69 for the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services)

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5139000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority if any" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans:—

- Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents,

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi, is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence
The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against as about the Balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B. Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licence and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payments". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. JD-P.69 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure-I List of eligible source countries.

Annexure II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III Form of Letter of Authority.

Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure V Form of Letter of credit
(Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of

Dahomay

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Madagascar Republic

Malawi

Mali

Mauritania, Mauritius

Mozambique

Niger

Portuguese Guinea

Reunion

Rhodesia

Rwanda

St. Helena and dep (2)

Sao Tome and Principe

Senegal

Seychelles

Sierra Leone

Somalia

Sudan

Swaziland

Terro, Afars and

Issas

Togo

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inacessibles, Nightingale, Gough,

| | |
|---|----------------------------|
| Uganda | V. ASIA,, Middle East |
| Un. Rep. of Tanzania | Baharain |
| Upper Volta | Israel |
| Zaire Republic | Jordan |
| Zambia | Lebanon |
| III. AMERICA, North end | Oman |
| Cont. | Syrian Arab Republic |
| Bahamas | United Arab Emirates (3) |
| Barbados | Yemen Arab Republic |
| Belize | Yemen, People's D.R. (4) |
| Bermuda | VI. ASIA, South |
| Costa Rica | Afghanistan |
| Cuba | Bangladesh |
| Dominican Republic | Bhutan |
| El Salvador | Burma |
| Guadeloupe | India |
| Guatemala | Maldives |
| Haiti | Nepal |
| Honduras | Pakistan |
| Jamaica | Sri Lanka |
| Martinique | VII. ASIA, Far East |
| Mexico | Brunei |
| Netherlands Antilles | Hong Kong |
| Nicaragua | Khmer Republic |
| Panama | Korea, Republic of |
| St. Pierre & Miquelon | Laos |
| Trinidad and Tobago | Macao |
| III. AMERICA, North & Central | Malaysia |
| West Indies (Br.) n.i.e | Phillippines |
| (a) Associated States (1) | Singapore |
| (b) Dependencies (2) | Taiwan |
| IV. AMERICA, South | Thailand |
| Argentina | Timor |
| Bolivia | Viet-Nam, Rep. of |
| Brazil | Viet-Nam, Dem. Rep. |
| Chile | VIII OCEANIA |
| Colombia | Cook Islands |
| Falkland Islands | Fiji |
| French Guiana | Gilbert & Ellice Is. |
| Guyana | French Polynesia (6) |
| Paraguay | Nauru |
| Peru | New Calendonia |
| Surinam | New Hebrides (Br. and Fr.) |
| Uruguay | Niue |
| | Pacific Islands (US) (6) |
| | Papua New Guinea |
| | Solomon Islands (Br.) |
| | Tonga |
| | Wallis and Futuna |
| | Western Samoa |
| (1) Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent. | IX. EURQPE |
| (2) Main Islands :Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands. | Cyprus |
| (3) Main Islands, Aruba, Bonarie, Curacao, Saba, St | Gibraltar |
| | Greece |
| | Malta |
| | Spain |
| | Turkey |
| | Yugoslavia |

- (1) Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
(2) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
(3) Main Islands, Aruba, Bonarie, Curacao, Saba, St

(a2) Member of Association Countries of OPEC

ANNEXURE-II

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U. K.
U.S.A.

**REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF
AUTHORITY**

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001

Sub. : Import of Yen Credit No. ID-P from Japan under the
from Japan under the
(Project Aid for
1981-88).

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
 - (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
 - (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
 - (d) Brief description of the goods.
 - (e) Origin of the goods.
 - (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
 - (g) Gross FOB|C&F value of the contract (in Yen).
 - (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
 - (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
 - (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
 - (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
 - (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
 - (m) Expected date of completion of deliveries.
 - (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importer or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—
(We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers.)

ANNEXURE—III

(Letter of Authority Form)

No. F

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs
New Delhi. the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P Issue of
Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen

favouring M/s.

as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediate reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers Bankers if any, are to be borne by the overseas Supplier Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :— With reference to their

1. Importer

letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker (i) This has reference to import licence No. dt.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice|order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import|foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee, equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC(PN)88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time [Interest @ 12% per annum for the first 30 days and at the rate of 18% per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment of the supplier] date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into Government of India account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)68 dated 30-8-68 233-ITC(PN)68 dated 24-19-68 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases undr Credit/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 0.084 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 69 dated 27-3-90.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notices No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice date 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof shuold be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents, etc. sholud not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilites as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome , Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Toyko.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE—IV

FORM OECF—LC 1

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To _____ This letter of Credit has been _____ issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of — (Say yen) available by

your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No.

(if any) from To Partial shipments are permitted. Transhipment is permitted.

Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under Irrevocable credit No. dated

and Import Reference No (s) (if any)
This credit is not transferable."

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer|supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)
By: Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

To

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to _____ Loan Agreement No. dated _____ (Name and address of the Supplier) between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than ?

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. "

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorised Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.....

I. Initial Payments

Amount : Yen

being % of the total contract price.

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen

being % of the total contract price to be paid as follows:

| | |
|------------|---------------------|
| Amount due | Latest presentation |
|------------|---------------------|

1st Instalment: Yen

2nd Instalment: Yen

Required documents:

A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

Date:

Ref. No.

To

.....

.....

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. dated
issued by for Yen in favour of concerning Project under Loan Agreement No.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle to receive the sum of Yen (Yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. dated between and

..... (Borrower)

By
(Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Yen
being % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payment (If any)

Amount: Yen
being % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen
being % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.